

फर्द अहकाम

(नियम 28)

अज अदालत उपखण्ड अधिकारी, करेड़ा

~~डी. प्रमोद कुमार~~

यनाम राजकुमार

किस्म मुकदमा

136

नं. 134

सन 2025

125

क
भू
डा
27,
को

मे

1,
क
य

11

दिनांक

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुकम की तामील
में जारी हुए

28/1/25 वाद / प्रार्थनापत्र बाद जाँच प्रस्तुत हुआ दर्ज रजिस्टर किया जाकर विपक्षीगण को सम्मन नोटिस जारी किये जावे। पत्रावली दिनांक 28/1/25 को पेश हो।

उपखण्ड अधिकारी एवं सहायक कलक्टर, करेड़ा

28/1/25

उभय पक्ष उपरिक्त पीठारी अधिकारी राजकीय कार्य से बाहर है। अद्यतन पद रिक्त है। अतः पत्रावली दिनांक 28/1/25 को पेश हो।

उपखण्ड अधिकारी, करेड़ा

31/1/25 पत्रावली पेश हुई, वकील प्रवीण उपस्थित पतेकार-सऊरा उप० पतेकार-सऊरा अभाव पेश नहीं काला-चाररे हैं। अभाव बन्द किया जाता है। वकील प्रवीण ने बरत काले का निवेदन किया गया उभयपक्ष की बरत सुनी गयी बरत के दौरान वकील प्रवीण ने प्रा० पत्र में वकील प्रवीण को पेश करे हुए प्रवीण का प्रा० पत्र स्वीकार किया जाने का निवेदन किया गया पतेकार-सऊरा ने दौरान बरत कल्पन किया कि प्रवीण प्रवीण के नाम बरत का होने से प्रवीण स्वयं लिख कर यदि प्रवीण स्वयं लिख करे में अमफाल रहें ह रो प्रवीण का प्रा० पत्र स्वीकार किया

हरि आनन्द

तारीख
हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मम इतिशिमल्लि जग

संभव न जाये
असकाम भी हुक्म
हुक्म की लागू
में जाये हुक्म

जाणे, उद्योगधन की सजा "य गत किम गमा
प्रायली पर उपलब्ध टालीकोट "व राजपुत्र दिने
का अन्वयेकन किम गमा प्रकृत्य प्रायली
नाम शही का शी से फरावली पर उपलब्ध
दलावेदार "व गुण पंचामर शिपूर की अन्वयेकन
के अन्वयेकन पर प्रायली का अन्वयेकन हीमा किम
जाता है विद्वत् निर्णय प्रकृत्य हीमा प्रायली जाणे
शाप फाट लिया गया फरावली के हाथ शही
श्रीका इति नमस्तु श्री काम ही ।

संभव न जाये
असकाम भी हुक्म
हुक्म की लागू
में जाये हुक्म

[Faint, mostly illegible handwritten text in the lower section of the page]